

विस्तीर्ण तथा अन्य स्थानों में सुपरबाजार

\* 298. श्री म० ला० द्विवेदी :

श्री प्र० च० बहादुर :  
श्री भागवत शा आजाद :  
श्री स० च० सामन्त :  
डा० म० मो० दास :  
श्री सुबोध हंसदा :  
श्री बासुदेवन नाथर :  
श्री वारियर :  
श्री स० म० बनर्जी :  
श्री अंकारलाल बेरवा :  
डा० शेनिवासन :  
श्री मणियंगाड़न :  
श्री राम सहाय पाठ्येय :  
श्री किशन पटनायक :  
श्री मधु लिम्बे :

वया खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह कठीने की क्रापा बरेंगे कि:

(क) दिल्ली में देश में अन्य किन किन स्थानों पर अब तक कुल किलने सुपर बाजार अथवा इपी तरह के बाजार खोले गये हैं;

(ख) केन्द्रीय सरकार ने अब तक उन पर राज्यवार कुल किलनी गाँश खबंच की है;

(ग) देश में किलने सुपर बाजार खोलने का विचार है; और

(घ) भवनों निया अन्य कामों के निए क्रृष्ण के रूप में केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली में तथा अन्य स्थानों पर खोले गये दून बाजारों पर कुल किलनी गाँश लगाई है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री श्यामचर मिश्र) : (क) दिल्ली तथा भारत के दूसरे स्थानों में अब तक खोले गए बहु-विभागीय भण्डारों की संख्या और उनके नाम सभा पटल पर रखे गये विवरण (आनंदन्त्र 1) में दिए

गए हैं [पूस्तकालय में रखा गया, देखिए संख्या LT-7319/66]।

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा बहु-विभागीय भण्डारों को सहायता देने के लिए राज्यवार धन की गई कुल गाँश विवरण के अनुबन्ध 2 में दी गई है।

(ग) 1966-67 में देश के विभिन्न भागों में लगभग 60 बहु-विभागीय भण्डार खोलने का विचार है।

(घ) बहु-विभागीय भण्डारों को इमारतों का निर्माण करने के लिए अब तक कोई क्रृष्ण नहीं दिया गया है। अन्य निवेशों तथा क्रृष्णों का व्यांग निम्न प्रकार है :—

लाख रु०

#### 1. अंगरेजी में अंशदान

(1) दिल्ली	18. 00
(2) दूसरे शेष	67. 00

#### 2. फर्मिन्चर, फिल्चर तथा फिटिंग के लिए क्रृष्ण :

(1) दिल्ली	8. 25
(2) अन्य भेंतें	27. 27

#### Per acre yield of crops

\*299. Shri B. K. Das:  
Shri P. K. Chakraverti:

Will the Minister of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation be pleased to state:

(a) whether there has been any improvement in per acre yield of different crops in the country during the last three years;

(b) the special steps taken for such improvement; and

(c) what is the programme for such improvement either generally or with reference to particular areas?